नोट–अनिवार्य हिन्दी से छूट पाने वाले विद्यार्थियों के लिए।

मॉडल प्रश्न पत्र

सत्रः 2025–26

विषय– प्रारम्भिक हिन्दी

समय–3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक–70

निर्देश–

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न–पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii) प्रश्नपत्र दो भाग खण्ड (अ) तथा खण्ड (ब) में विभाजित है।

(iii) प्रश्नपत्र के खण्ड (अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिसमें सही विकल्प का चयन करके O.M.R शीट पर नीले अथवा काले बाल प्वाइंट पेन से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला करें।

(iv) खण्ड(अ) में बहुविकल्पीय प्रश्न हेतु प्रत्येक प्रश्न के लिए (01) अंक निर्धारित है।

(v) ओ0एम0आर0 शीट पर उत्तर अंकित किये जाने के पश्चात उसे काटे नहीं तथा इरेजर(Eraser) एवं व्हाइटनर (whitener) आदि का प्रयोग न करें ।

(vi) प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके निर्धारित अंक दिये गये हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न– खण्ड 'अ'

प्रश्नः1 रीतिकाल के कवि हैंः 01

(i) केशवदास (ii) महाकवि भूषण

(iii) बिहारी लाल (iv) जयशंकर प्रसाद

(A) (i)(ii) (B) (i)(ii)(iv)

(C) (i)(iv) (D) (i)(ii)(iii)

प्रश्नः2 'तारसप्तक' के कवि हैंः 01

(A) अज्ञेय (B) प्रभाकर माचवे

(C) गिरिजा कुमार माथुर (D) उपर्युक्त सभी।

प्रश्नः3 'गंगालहरी' के रचनाकार हैंः 01

(A) मतिराम (B) केशवदास

(C) पद्माकर (D) भूषण

प्रश्नः4 'द्वापर' के रचयिता हैंः 01

(A) महादेवी वर्मा (B) मैथिलीशरण गुप्त

(C) सुमित्रानन्दन पंत (D) अज्ञेय

प्रश्नः5 'सुमित्रानन्दन पंत' की रचना नही हैः 01

(A) परिमल (B) रश्मिवंध

(C) पल्लव (D) स्वर्ण धूलि

प्रश्नः6 'रामकुमार वर्मा' की एकांकी हैः 01

(A) लक्ष्मी का स्वागत (B) सिन्दुर की होली

(C)बादल की मृत्यु (D) रक्षा बंधन

प्रश्नः7 मिलान कीजिएः 01

(i) अजातशत्रु (क) रामकुमार वर्मा

(ii) बादल की मृत्यु (ख) जयशंकर प्रसाद

(iii) सुखसागर (ग) सदासुख लाल

(iv) मैला आंचल (घ) फणीश्वर नाथ रेणु

	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(A)	क	ख	ग	घ
(B)	ख	ग	घ	क
(C)	ख	क	ग	घ
(D)	घ	ग	क	ख

प्रश्नः8 इलाचन्द जोशी की कहानियों का विषय हैः 01

(A) सामाजिक (B) मनोवैज्ञानिक

(C) ऐतिहासिक (D) राजनैतिक

प्रश्नः9 'ईदगाह' के लेखक हैंः 01

(A) प्रेमचन्द्र (B) इलाचन्द्र जोशी

(C) भगवतीचरण वर्मा (D) रामकुमार वर्मा।

प्रश्नः 10 रामचन्द्र शुक्ल का निबंध संग्रह हैः 01

(A) चिन्तामणि (B) ठलुआ क्लब

(C) विचार बीथी (D) शिवशंभु के चिट्ठे।

प्रश्नः11 'बहुब्रीहि' समास की परिभाषा हैः 01

(A) अन्य पद प्रधान होते हैं (B) उत्तर पद प्रधान होते हैं

(C) दोनों पद प्रधान होते हैं (D) पूर्व पद प्रधान होते हैं ।

प्रश्न 12 'जल' का पर्याय हैः 01

(A) वारि (B) वारिद

(C) वारिधि (D) वारिज

प्रश्नः 13 'प्रकाश' का विलोम हैः 01

(A) उजाला (B) रात

(C) अंधकार (D) इनमें से कोई नहीं।

प्रश्नः 14 जो ईश्वर में विश्वास न रखता होः 01

(A) आस्तिक (B) सार्वकालिक

(C) नास्तिक (D) स्वास्तिक

प्रश्नः 15 'कपाट' का तत्सम हैः 01

(A) दरवाजा (B) कपड़ा

(C) कर्पट (D) उपवन

प्रश्नः 16 'चतुष्पथ' का तद्भव हैः 01

(A) चौराहा (B) दोराहा

(C) तिराहा (D) उपर्युक्त सभी

प्रश्नः 17 'तस्य' में विभक्ति और वचन हैः 01

(A) षष्ठी विभक्ति, एकवचन (B) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(C) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन (D) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

प्रश्नः18 'कर्मवाच्य' में किसकी प्रधानता होती हैः 01

(A) कर्ता (B) कर्म

(C) भाव (D) उपर्युक्त सभी

प्रश्नः 19 रचना के आधार पर वाक्य के भेद हैंः 01

(A) तीन (B) आठ

(C) छः (D) दस

प्रश्नः 20 जातिवाचक संज्ञा हैः 01

(A) मोहन (B) वाराणसी

(C) लड़का (D) बचपन

वर्णनात्मक प्रश्न खण्ड 'ब'

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए: 3X2=6

यह एक नैतिक और आध्यात्मिक स्त्रोत है, जो अनंतकाल से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपूर्ण देश में बहता रहा है और कभी–कभी मूर्त रूप होकर हमारे सामने आता रहा है।
यह हमारा सौभाग्य रहा है कि हमने ऐसे ही एक मूर्त रूप को अपने बीच चलते–फिरते, हॅसते–रोते भी देखा है और जिसने अमरत्व की यद दिलाकर हमारी सूखी हड्डियों में नयी मज्जा डाल हमारे मृत प्राय शरीर में नये प्राण फूॅके और मुरझाये हुए दिलों को फिर खिला दिया। वह अमरत्व सत्य और अहिंसा का है, जो केवल इसी देश के लिए नहीं, आज मानवमात्र के जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हो गया है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए?

(ii) मानव मात्र के लिए क्या अत्यंत आवश्यक हो गया है?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए?

अथवा

विश्वासपात्र मित्र से बड़ी भारी रक्षा रहती है जिसे ऐसा मित्र मिल जाये, उसे समझना चाहिए कि खजाना मिल गया। विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषधि है। हमें अपने मित्रों से यह आशा रखनी चाहिए कि वे उत्तम संकल्पों में हमें दृढ़ करेंगे, दोषों और त्रुटियों से हमें बचायेंगे हमारे सत्य, पवित्रता और मर्यादा के प्रेम को पुष्ट करेंगे, जब हम कुमार्ग पर पैर रखेंगे, तब वह हमें सचेत करेंगे, जब हम हतोत्साहित होंगे, तक वे हमें उत्साहित करेंगे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए?

(ii) विश्वासपात्र मित्र को जीवन की औषधि क्यों कहा जाता है?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए?

प्रश्न–2 निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए: 3X2=6

अविगत–गति कछु कहत न आवै।
ज्यौं गॅूगें मीठे फल कौ रस, अंतरगत ही भावै।
परम स्वाद सबही सु निरंतर, अमित तोष उपजावै।
मन–बानी कौ अगम'अगोचर, सो जाने जो पावै।
रूप–रेख–गुन–जाति–जुगति–बिनु, निरालंब कित धावै।
सब विधि अगम विचारहिं तातै, सूर सगुन–पद गावै।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए?

(ii) 'अगम–अगोचर' से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए?

अथवा

यहीं कहीं पर बिखर गयी वह,
भग्न विजय–माला–सी।
उसके फूल यहाॅ संचित हैं,
है यह स्मृति–शाला सी।।
सहे वार पर वार अंत तक,
लड़ी वीर बाला–सी।
आहुति–सी गिर चढ़ी चिता पर,
चमक उठी ज्वाला–सी।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए?

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए?

(iii) 'विजयमाला' 'स्मृतिशाला' और 'वीरबाला' पदों में समास बताते हुए समास विग्रह कीजिए?

प्रश्न–3 (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिएः 2+3=5

भारतीया संस्कृतिः तु सर्वेषां मतावलम्बिनां संगमस्थली। काले काले विविधाः विचाराः भारतीय–संस्कृतौ समाहिताः। एषा संस्कृतिः सामासिकी संस्कृतिः यस्याः विकासे विविधानां जातीनां सम्प्रदायानां विश्वासानांच योगदानं दृश्यते। अतएवं अस्माकं भारतीयानाम् एका संस्कृतिः एका च राष्ट्रीयता। सर्वोऽपि वयं एकस्याः संस्कृतेः समुपासकाः एकस्य राष्ट्रस्य च राष्ट्रियाः। यथा भ्रातरः परस्परं मिलित्वा सहयोगेन सौहार्देन च परिवारस्य उन्नतिं कुर्वन्ति तथैव अस्माभिः अपि सहयोगेन सौहार्देन च राष्ट्रस्य उन्नतिः कर्त्तव्य।

अथवा

वाराणस्यां प्राचीनकालादेव गेहे गेहे विद्यायाः दिव्यं ज्योतिः द्योतते। अधुनाऽपि अत्र संस्कृतवाग्धारा सततं प्रवहति, जनानां ज्ञानंच वर्द्धयति। अत्र अनेके आचार्याः मूर्धन्याः विद्वांसः वैदिकावाङ्मयस्य अध्ययने अध्यापने च इदानीं निरताः। न केवलं भारतीयाः अपितु वैदेशिकाः गीर्वाणवाण्याः अध्ययनाय अत्र आगच्छन्ति,निःशुक्कं च विद्यां गृह्णन्ति। अत्र हिन्दविश्वविद्यालयः, संस्कृतिविश्वविद्यालयः, काशीविद्यापीठम् इत्येते त्रयः विश्वविद्यालयाःसन्ति, येषु नवीनानां प्राचीनांच ज्ञानविज्ञानविषयाणाम् अध्ययनं प्रचलितः।

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांशों मे से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिएः

किंस्विद् गुरूतरं भूमेंः किंस्विदुच्चतरं च खात्। 2+3=5
किंस्विद् शीघ्रतरं वातात् किंस्विद् बहुतरं तृणात्।।

अथवा

यतो मां जना गुंजया तोलयन्ति ।
रात्रिर्गमिष्यति भविष्यति सुप्रभातं
भास्वानुदेश्यति हसिष्यति पंकजालिः।
इत्थं विचिन्तयति कोशगते द्विरेफे
हा हन्त! हन्त! नलिनीं गज उज्जहार।

प्रश्नः4 (क) निम्नखिलखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन–परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिएः **(शब्द सीमा अधिकतम–80 शब्द)** 3+2=5

1–रामचन्द्र शुक्ल
2–डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद
3–डॉ0 भगवतशरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों मे से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिएः **(शब्द सीमा अधिकतम–80 शब्द)** 3+2=5

1–गोस्वमी तुलसीदास
2–सुभद्रा कुमारी चौहान
3–रामनरेश त्रिपाठी

प्रश्न–5 निम्नलिखित संस्कृत प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर कीजिएः

1– भारतीय संस्कृतेः कः दिव्यः संदेशः अस्ति? 2+2=4
2–वाराणस्याम् कति विश्वविद्यालयः सति?
3–कि हित्वा नरः प्रियो भवति?
4–कविः कोकिलः कि बोधयति?

प्रश्न–6 (क) करूण रस की परिभाषा लिखते हुए उसकी एक परिभाषा लिखिए? 1+1=2
(ख) सोरठा छंद की परिभाषा लिखते हुए उसकी एक उदाहरण दीजिए? 1+1=2
(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा लिखते हए उसका एक उदाहरण दीजिए? 1+1=2

प्रश्न–7 निम्नलिखित लोकोक्ति एवं मुहावरों में से किसी एक का अर्थ बताते हुए वाक्य प्रयोग कीजिएः 1+1=2

(क) दांत खट्टे करना
(ख) दो नावों पर पैर रखना
(ग) अंत भला तो सब भला
(घ) सूर्य को दीपक दिखाना

प्रश्न–8 निम्नलिखित में से किसी एक शीर्षक पर निबन्ध लिखिएः
(शब्द सीमा अधिकतम–200 शब्द) 1+5=6

(i) वृक्ष धरा का आभूषण है।
(ii) विद्यार्थी जीवन में समय का महत्व
(iii) मेरा प्रिय कवि
(iv) विज्ञान वरदान अथवा अभिशाप।